पिनाकल की 22 हेक्टेयर जमीन के सौदों पर एफआईआर

- पहले प्लॉट काटकर बेचने, बाद में जमीन का हिस्सा दूसरी फर्म को कृषि भूमि बताकर बेचने का आरोप
- 16 लोगों की शिकायत पर क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के बहुचर्चित पिनाकल प्रोजेक्ट से जुड़ी करीब 22 हेक्टेयर जमीन के सौदों को लेकर क्राइम ब्रांच ने एफआईआर दर्ज की है. शिकायत में एक ही जमीन पर पहले प्लॉट काटकर बिक्री करने और बाद में उसके हिस्से का दूसरी फर्म के साथ सौदा करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं. पुलिस ने मामले में धोखाधड़ी, कूटरचना, आपराधिक षड्यंत्र और विश्वासघात से जुड़ी धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है.

क्राइम ब्रांच में 16 लोगों ने शिकायत की थी. इसके आधार पर संजय अग्रवाल, नीना अग्रवाल, रितू अग्रवाल और गुरनाम सिंह धालीवाल को आरोपी बनाया है. शिकायतकर्ताओं ने निपानिया क्षेत्र के सर्वे नंबर 260/1, 261/1, 261/2 और 264/1 की करीब 22 हेक्टेयर जमीन को लेकर आरोप लगाए हैं. जमीन से संबंधित टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और विकास संबंधी मंजूरियां लेने के बाद उस पर प्लॉट काटे गए और ग्राहकों को बेचे गए. आरोप है कि इसके बाद इसी जमीन के करीब 9.30 एकड़ हिस्से को जेएसएम देवकान इंडिया और मेसर्स जेएसएम देवकान से जुड़ी फर्म को कृषि भूमि के रूप में बेचने का सौदा किया. शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जिन हिस्सों पर पहले ही प्लॉट काटकर ग्राहकों को बेचे जा चुके थे, उन्हें बाद के सौदे में कृषि भूमि के रूप में दर्शाया गया.

निगम में बंधक प्लॉट बेचने का आरोप–शिकायत में कुछ ऐसे प्लॉट भी ग्राहकों को बेचे जाने का आरोप लगाया गया है, जिन्हें नगर निगम के पास बंधक रखा था. शिकायतकर्ताओं के मुताबिक इन सौदों के जरिए करोड़ों रुपए लिए. पुलिस अब यह भी जांच करेगी कि संबंधित प्लॉट कब बंधक रखे, उनकी बिक्री कब हुई और सौदे के समय जमीन की वास्तविक स्थिति क्या थी.

फर्मों के नाम बदलकर इस्तेमाल करने का आरोप–शिकायत में जेएसएम नाम से जुड़ी फर्मों को लेकर भी आरोप लगाए हैं. इसमें कहा है कि सिमन कंस्ट्रक्शंस का नाम जेएसएम देवकान और सिमन इंफ्रास्ट्रक्चर का नाम जेएसएम देवकान इंडिया के रूप में इस्तेमाल किया. शिकायतकर्ताओं ने इसमें गुरनाम सिंह धालीवाल की भूमिका होने का आरोप लगाया है. इसके अलावा विक्की जेठवानी, प्रीतम माटा और उनके परिवार के सदस्यों को प्लॉट बेचे जाने का भी आवेदन में उल्लेख किया है. पुलिस अब संबंधित फर्मों के दस्तावेज, जमीन की रजिस्ट्री, प्लॉट बिक्री के रिकॉर्ड, बंधक संबंधी दस्तावेज और विकास अनुमतियों की जांच करेगी.

आवेदन में जून और अक्टूबर 2015 में हुए जमीन के सौदों का भी उल्लेख किया है. पुलिस अब इन सौदों से जुड़े दस्तावेजों और पहले हुई प्लॉट बिक्री के रिकॉर्ड की जांच करेगी. क्राइम ब्रांच अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज किया है. जमीन और उससे जुड़े दस्तावेजों की जांच की जाएगी. जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

तीन पिनाकल प्रोजेक्ट रहे चर्चा में ...

2014-15 के दौरान इंदौर में पिनाकल रियल एस्टेट ब्रांड के तहत पिनाकल ड्रीम्स, पिनाकल ग्रांड और पिनाकल डिजायर प्रोजेक्ट चर्चा में रहे थे. इन प्रोजेक्ट्स के प्रचार में फिल्मी हस्तियों के नाम भी जुड़े थे. पिनाकल ड्रीम्स से जुड़ा मामला एनसीएलटी में सुलझ चुका है, जबकि पिनाकल डिजायर का मामला एनसीएलटी में चल रहा है. पिनाकल ग्रांड से जुड़े मामलों में भी अलग अलग जांच की बात सामने आती रही है. वर्तमान एफआईआर निपानिया की करीब 22 हेक्टेयर जमीन और उससे जुड़े कथित सौदों को लेकर दर्ज की गई है.

नौकरी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म का आरोप

सरकारी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन है आरोपी

नव भारत न्यूज

इंदौर. तुकोगंज थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने का झांसा देकर पूर्व परिचित महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है. पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने राजगढ़ निवासी देवेंद्र वर्मा को गिरफ्तार किया है. आरोपी इंदौर के एक सरकारी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत है.

महिला और आरोपी पहले से परिचित थे. आरोप है कि देवेंद्र ने महिला को नौकरी दिलाने का भरोसा दिया और इसी बहाने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए. महिला का आरोप है कि आरोपी लगातार उसका शोषण करता रहा. बाद में महिला ने तुकोगंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. मामले में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने नव भारत को बताया कि महिला की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है. आरोपी का चिकित्सकीय परीक्षण और अन्य कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा.

नवविवाहिता की हत्या में जेठानी गिरफ्तार

भाई पर टिप्पणी और घर से निकालने की धमकी से थी नाराज

नव भारत न्यूज

इंदौर. राऊ थाना क्षेत्र के नेहरू नगर में नवविवाहिता वंदना की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया. हत्या के आरोप में मृतका की जेठानी पार्वती बाई कुशवाह को गिरफ्तार किया गया है.

वंदना ने घटना के 25 दिन पूर्व (11 अगस्त को) परिजनों की मर्जी के खिलाफ उपेंद्र पटेल से प्रेम विवाह किया था, इसके बाद वह ससुराल में रह रही थी. पार्वती का भाई दुष्कर्म के मामले में दमोह जेल में बंद है. वंदना द्वारा उसके भाई पर टिप्पणी करने को लेकर दोनों के बीच विवाद था. गुरुवार को घर में दोनों के बीच फिर कहासुनी हुई. वंदना ने पति के प्रभाव में होने की बात कहते हुए पार्वती और उसके परिवार को घर से निकलवाने की धमकी दी. इससे नाराज पार्वती ने रसोई का चाकू उठाकर वंदना की गर्दन पर कई वार कर दिए. हत्या के बाद शव को घर के बाहर बने पानी के हौज में फेंक दिया. वारदात के बाद आरोपी अपने अस्पताल में भर्ती पति से मिलने चली गई.

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूला: सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले. इसमें पार्वती की संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं. फॉरेंसिक जांच और मनोवैज्ञानिक पूछताछ में पुलिस के सवालों के सामने वह टूट गई और हत्या करना स्वीकार कर लिया. पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया. मामले में डीसीपी जोन 1 नरेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि नवविवाहिता की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है. जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और फॉरेंसिक साक्ष्यों से महत्वपूर्ण जानकारी मिली. पूछताछ में आरोपी ने वारदात स्वीकार की है, प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है.

2 हजार का खाता 10 हजार में बेचा, साइबर ठगी में किया इस्तेमाल

यूपी और आंध्र प्रदेश की शिकायतों से जुड़ा मिला केनरा बैंक नंदनगर का खाता

नव भारत न्यूज

इंदौर. साइबर ठगी के लिए बैंक खातों की खरीद फरोख्त का मामला सामने आया है. परदेशीपुरा पुलिस की जांच में एक खाता 2 हजार रुपए में खुलवाने के बाद 5 हजार और फिर 10 हजार रुपए में बेचे जाने की जानकारी सामने आई है.

गृह मंत्रालय के आई4सी पोर्टल पर दर्ज साइबर ठगी की शिकायतों के विश्लेषण के दौरान केनरा बैंक नंदनगर शाखा का एक संदिग्ध खाता पुलिस के सामने आया. जांच में खाते का संबंध उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में दर्ज साइबर ठगी की शिकायतों से मिला. पुलिस ने खाताधारक मोनीश उर्फ मोनू मंडलोई से पूछताछ की. उसने बताया कि दोस्त पियूष कुशवाह के कहने पर 2 हजार रुपए के बदले खाता खुलवाकर उसकी पूरी बैंकिंग किट उसे दे दी थी. पियूष ने किट ऋषि पवार को 5 हजार रुपए में बेच दी. इसके बाद ऋषि ने इसे रॉनी उर्फ रूपेश मंगरोलिया को 10 हजार रुपए में दिया. प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रूपेश मंगरोलिया लोगों को यूएसडीटी को भारतीय रुपए में बदलने का झांसा देता था. इसके बाद ठगी की रकम इन खातों में मंगवाई जाती थी. मामले में सुजल सोनी की भूमिका भी सामने आई है. परदेशीपुरा पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों में से चार को हिरासत में लिया है. मुख्य आरोपी रॉनी उर्फ रूपेश मंगरोलिया की तलाश की जा रही है. मामले में प्रकरण दर्ज किया है.

4 आरोपी हिरासत में, अन्य की तलाश जारी

डीसीपी जोन-2, अमन सिंह राठौर ने नव भारत को बताया कि म्यूल खातों के जरिए साइबर ठगी करने वाले नेटवर्क की जांच की जा रही है. मामले में चार आरोपियों को हिरासत में लिया है. फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम लगातार प्रयास कर रही है. जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी.

एक नजर में

मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष के गोदाम से 25 लाख का अवैध स्टॉक जब्त

महू. मंडी प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए डोंगरगांव मंडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष पूनम अग्रवाल के सिमरोल रोड, कोदरिया मार्ग स्थित गोदाम पर औचक जांच की. इस दौरान गोदाम से भारी मात्रा में बिना मंडी शुल्क चुकाए रखा गया कृषि उपज का स्टॉक बरामद किया गया. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, जब्त किए गए माल की कीमत करीब 25 लाख रुपये आंकी गई है. जांच दल को गोदाम में 270 बोरी सोयाबीन के साथ ही भारी मात्रा में गुड़, महुआ और गेहूं का स्टॉक मिला. नियमों के मुताबिक, कृषि उपज पर डेढ़ प्रतिशत मंडी शुल्क देय होता है, लेकिन यह पूरा माल बिना मंडी शुल्क चुकाए ही गोदाम में डंप किया गया था. इस पर मंडी प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फिलहाल 45 हजार रुपये की पेनल्टी लगाई है. मंडी नियमों के अनुसार, बिना टैक्स के माल मिलने पर पांच गुना जुर्माना वसूलने का प्रावधान है. इस पूरे मामले में मंडी प्रबंधन का कहना है कि फिलहाल जांच की प्रक्रिया जारी है. मंडी पोर्टल के आंकड़ों और डिजिटल वेरिफिकेशन के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी, जिसके बाद अधिकृत रिपोर्ट जारी की जाएगी.

जानापाव लोक के निर्माण व कांवड़ यात्रियों के सुगम मार्ग की उठी मांग

महू. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर महू विधानसभा क्षेत्र के पावन तीर्थस्थल जानापाव पहाड़ी पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हेलीपैड पर आत्मीय स्वागत किया गया. इस दौरान भाजपा इंदौर ग्रामीण जिला अध्यक्ष मनोज सिंह ठाकुर ने सीएम को क्षेत्र की जनता और श्रद्धालुओं की जनभावनाओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मांग-पत्र सौंपा. इसमें मांग की गई कि जानापाव पहाड़ी पर प्रतिवर्ष देश और प्रदेश से लाखों की संख्या में कांवड़ यात्रियों व श्रद्धालुओं का आवागमन होता है. श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए उनकी सुविधा और सुरक्षा के लिए पहाड़ी मार्ग पर अतिशीघ्र नए पथ का निर्माण तथा मौजूदा मार्ग में सुधार कार्य किया जाए. इसके साथ ही रास्ते के रूट डायवर्जन/लूपिंग अथवा अन्य उपयुक्त तकनीकी विकल्पों को विकसित किया जाए. ठाकुर ने आग्रह किया कि तीर्थस्थल के सर्वांगीण विकास के लिए प्रस्तावित जानापाव लोक के निर्माण कार्य को भी बिना किसी विलंब के शीघ्र प्रारंभ किया जाए, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित धार्मिक वातावरण मिल सके. मुख्यमंत्री ने मांग-पत्र पर गंभीरतापूर्वक विचार कर उचित और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है.

कृष्णमय हुआ नगर, गूंजा जय कन्हैया लाल की... जयघोष

महू. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व छावनी परिषद व ग्रामीण अंचल में अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक धूमधाम के साथ मनाया गया. भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर जहां नगर के प्रमुख मंदिर आकर्षक विद्युत सज्जा से नहा उठे. सुबह के मंगला दर्शन से लेकर आधी रात को कान्हा के प्राकट्य उत्सव तक हर तरफ 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' के जयकारे गूंजते रहे. नगर के मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा. बाजारों में खिलौनों और व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए गरमा-गरम फलाहारी पेटिस के स्टॉल सजे रहे. रात्रि ठीक 12 बजे जैसे ही कन्हाई के जन्म का समय हुआ, आसमान सतरंगी आतिशबाजी की रोशनी से नहा गया और महाआरती के बाद भगवान को मक्खन-मिश्री और पंजरी का भोग लगाकर प्रसाद बांटा गया. दूसरी ओर, नगर में अहीर-यादव समाज द्वारा एक विशाल और भव्य शोभायात्रा निकाली गई. युवा यादव महासभा के प्रदेश महामंत्री मोटू यादव ने बताया कि यात्रा का शुभारंभ लुनियापुरा ग्वाल वंश अहीर यादव समाज मंदिर से पूजा-अर्चना के साथ हुआ. यात्रा में आगे-आगे चल रहे ऊंट, सजे-धजे घोड़े और भव्य बग्गी आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे. भजनों की मधुर प्रस्तुति दे रहीं भजन गायिकाओं और ढोल-ताशों की थाप पर श्रद्धालु झूमते-नाचते नजर आए. पुष्पवर्षा कर जगह-जगह यात्रा का भव्य स्वागत किया गया.

दुष्कर्म के आरोपी की लोगों ने की पिटाई, महिलाओं ने चप्पलों से पीटा

युवती की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नव भारत न्यूज

इंदौर. रावजी बाजार थाना क्षेत्र में युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इससे पहले आरोपी की स्थानीय लोगों और महिलाओं द्वारा पिटाई का वीडियो भी प्रसारित हुआ है, जिसे पुलिस ने जांच में लिया है. लोगों ने आरोपी को पकड़कर जमकर पीटा, महिलाओं ने भी चप्पलों से उसकी पिटाई की.

युवती और आरोपी पिछले करीब दो साल से एक-दूसरे के संपर्क में थे। 27 अगस्त की रात आरोपी युवती के घर पहुंचा और बातचीत करने लगा. आरोप है कि युवती के विरोध के बावजूद उसने जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए. पीड़िता की शिकायत पर रावजी बाजार पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया. उसे न्यायालय में पेश था जहां से जेल भेज दिया.

इधर, घटना से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है. इसमें स्थानीय लोग और महिलाएं आरोपी को घेरकर चप्पलों और थप्पड़ों से पीटते दिखाई दे रहे हैं. पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए मारपीट करने वालों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच शुरू कर दी है.

700 जवानों की निगरानी में शांतिपूर्ण मनाई जन्माष्टमी

नव भारत न्यूज

इंदौर. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद शहर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही. राजबाड़ा से प्रमुख मंदिरों और मटकी फोड़ आयोजनों तक 700 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहे. पूरे आयोजन के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई.

राजबाड़ा स्थित बांके बिहारी, श्री गोपाल, यशोदा माता और महालक्ष्मी मंदिर के साथ विजय नगर के इस्कॉन मंदिर में विशेष सुरक्षा व्यवस्था रही. भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था संभालने के लिए 400 से ज्यादा यातायात पुलिसकर्मी तैनात रहे. राजबाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में सादे कपड़ों में पुलिस की दो विशेष टीमें भी निगरानी करती रहीं. प्रत्येक टीम में 12 पुलिसकर्मी शामिल थे. इनकी नजर असामाजिक तत्वों और चेन स्नेचरों पर रही. महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा के लिए विशेष महिला पुलिस बल भी तैनात किया था. सुरक्षा व्यवस्था में नगर सुरक्षा समिति और मंदिर समितियों के 400 से 500 स्वयंसेवकों ने भी पुलिस का सहयोग किया. मंदिरों और आयोजन स्थलों पर भीड़ को नियंत्रित करने के साथ श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुचारू रखने पर विशेष ध्यान दिया.

राजबाड़ा से प्रमुख मंदिरों तक कड़े सुरक्षा बंदोबस्त रहे

अब गोगा नवमी और शोभायात्राओं को लेकर की जाएगी तैयारी

अब गोगा नवमी और शोभायात्राओं को देखते हुए पुलिस ने यातायात व्यवस्था में बदलाव की तैयारी की है. आयोजनों के मार्ग और भीड़ के अनुसार अलग यातायात व्यवस्था लागू की जाएगी. अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, राजेश कुमार सिंह ने नव भारत को बताया कि जन्माष्टमी के दौरान प्रमुख मंदिरों और भीड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी रही. पुलिस बल, यातायात पुलिस, महिला पुलिस और स्वयंसेवकों के समन्वय से व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की गईं.

1000 किमी पीछा कर राजस्थान स्थित खाटूश्याम से पकड़े चोर

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरानगर क्षेत्र में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले तीन आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस को इंदौर से राजस्थान के खाटूश्यामजी तक करीब 1000 किलोमीटर पीछा करना पड़ा. तकनीकी साक्ष्यों और सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने तीनों को वारदात के पांच दिन के भीतर गिरफ्तार कर लिया. उनके कब्जे से 2.85 लाख रुपए नकद समेत करीब 10.32 लाख रुपए का चोरी का माल बरामद हुआ है.

18 अगस्त को फरियादी मकान में ताला लगाकर मित्र के यहां गया था. 28 अगस्त की रात करीब 2.33 बजे लौटने पर उसे मकान का ताला टूटा मिला. अंदर कुछ लोग मौजूद थे, जो उसे देखते ही भाग निकले. अलमारी और लॉकर के ताले भी टूटे मिले. जांच में सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी होना सामने आया. पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीम बनाई. टीम ने घटनास्थल से लेकर आसपास के इलाकों के सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली. तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना से आरोपियों की गतिविधियों का पता चला. इसके बाद पुलिस टीम ने इंदौर से उनका पीछा शुरू किया और राजस्थान के खाटूश्यामजी मंदिर क्षेत्र तक पहुंची, जहां से उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया.

अन्य चोरियों को लेकर आरोपियों से की जा रही पूछताछ

एसीपी हीरानगर रुबिना मिजवानी ने बताया कि पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है. उनसे क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है. चोरी की घटना के बाद पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर सूचना और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की थी. लगातार पीछा करते हुए टीम राजस्थान के खाटूश्यामजी तक पहुंची, जहां से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया. आरोपियों से करीब 10.32 लाख रुपए का मश्रुका बरामद हुआ है. उनसे पूछताछ जारी है और अन्य वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है.

नकदी सहित गहने और अन्य सामान बरामद

वहां से पुलिस ने दीपक कौशल उम्र 22 साल, प्रवेश उर्फ छोटू मालवीय उम्र 20 साल और करण अहीरवार उम्र 22 साल, तीनों निवासी मूसाखेड़ी, इंदौर, को गिरफ्तार कर लिया. आरोपियों से करीब 32 ग्राम वजनी सोने की चेन, तीन अंगूठियां, पायजेब, बिछिया, चांदी के कड़े, कटोरी, चम्मच और चांदी के सिक्के सहित 2 लाख 85 हजार रुपए नकद बरामद किए. बरामद माल की कुल कीमत करीब 10 लाख 32 हजार 219 रुपए बताई गई है.

युवक को थाने लाकर पीटने वाले दो पुलिसकर्मी लाइन अटैच

एक उप निरीक्षक की भूमिका की भी की जा रही जांच

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरानगर थाने में एक युवक को कथित तौर पर जबरन लाकर रातभर रखने और मारपीट करने की शिकायत के बाद दो पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच कर दिया. मामले में एक उप निरीक्षक की भूमिका की भी जांच की जा रही है.

शिकायतकर्ता ने डीसीपी अभिषेक रंजन को बताया कि हीरानगर थाने के दो आरक्षक उसे जबरन थाने लेकर गए थे. वहां उसे रातभर रखा और उसके साथ मारपीट की गई, बाद में उसे छोड़ दिया. इसके बाद युवक अपने परिवार के साथ डीसीपी के पास पहुंचा और पूरे मामले की शिकायत की. शिकायत सामने आने के बाद अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू की. सहायक पुलिस आयुक्त रूबिना मिजवानी ने बताया कि आरक्षक रितेश पाटीदार और पोपसिंह को लाइन अटैच किया है. दोनों के खिलाफ विभागीय जांच की जा रही है. घटनाक्रम में एक उप निरीक्षक की भूमिका की भी जांच की जा रही है.

एक नजर में

ई-रिक्शा की वजह से ऑटो चालकों की आय में आई बड़ी गिरावट, स्टैंड पर रोजाना घंटों इंतजार करने के बावजूद सवारी नहीं मिलती, खाली हाथ घर लौटना पड़ता है

ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या से पेट्रोल-सीएनजी ऑटो चालकों की रोजी-रोटी पर संकट

नव भारत न्यूज

इंदौर. ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या से पेट्रोल-सीएनजी ऑटो चालकों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है. चालकों की शिकायत है कि उनकी आय में बड़ी गिरावट आई है. स्टैंड पर रोजाना घंटों इंतजार और खाली हाथ घर लौटना अब आम हो चुका है. शहर में करीब 10 हजार ई-रिक्शा सड़कों पर दौड़ रहे हैं. अधिक संख्या के चलते यातायात पुलिस को इनके संचालन के लिए जोन और रूट तय करने तक की व्यवस्था करनी पड़ी है. दूसरी ओर पेट्रोल और सीएनजी ऑटो चालक खुद को बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच पिसता हुआ बता रहे हैं.

ऑटो चालकों का आरोप है कि ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने, शेयरिंग में यात्रियों को ले जाने और लंबी दूरी तक कम किराए में सफर कराने से उनका धंधा बुरी तरह प्रभावित हुआ है. नतीजतन पेट्रोल-सीएनजी ऑटो चालकों को घंटों स्टैंड पर खड़े रहने के बाद भी सवारी नहीं मिलती. कई चालक गली-मोहल्लों में घूमकर दिनभर सवारी तलाशते हैं फिर भी कमाई इतनी नहीं हो रही कि घर का खर्च भी निकल सके. जबकि लोन लेकर ऑटो खरीदने वाले चालकों की मुश्किल और बढ़ गई है. आय में 70 प्रतिशत तक गिरावट का दावा करने वाले चालक अब किस्त चुकाने को लेकर भी परेशान हैं. विडंबना यह है कि ई-रिक्शा व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन लगातार नई व्यवस्था बना रहा है, लेकिन पुराने ऑटो चालकों के रोजगार और उनकी घटती आय को लेकर कोई ठोस राहत योजना नजर नहीं आती. सवाल सीधा है शहर को नई सवारी मिली, लेकिन पुराने ऑटो चालक अपनी रोजी-रोटी कहां तलाशें?

यह बोले ऑटो चालक...

ओला, उबर, रेपिडो बाइक, ई-रिक्शा भारी संख्या में चल रहे हैं. ऐसे में ऑटो चालकों की आय आधी से भी कम हो गई है. पहले 800-1000 रुपए कमाते थे अब चार सौ रुपए में ही शाम हो जाती है.
- मोहनलाल पाल

ई-रिक्शा में ओवरलोड पैसेंजर बैठाते हैं, जबकि पुराने ऑटो पर सख्त नियम है. मैं पहले ऑटो चलाता था, आर्थिक तंगी के चलते क्या करता, अब ऑटो चलाना बंद कर दिया है.
- पूनम चंद धीमान

प्रशासन ने मार्केट में सेकंड गाड़ी उतार दी हैं, धंधे पूरी तरह से खत्म हो चुके हैं 10 रुपए सवारी में हम घर कैसे चलाएंगे, ऑटो की किस्त भी नहीं उतर रही.
- श्याम केथवास